यंत्रीकरण के स्तर में वृद्धि हो जाने से कुल लागत में मजदूरी के अंश की प्रतिशतता धीरे-धीरे कम हो रही है।

(ङ) निवेश तथा प्रचालन लागतों के संबंध में वर्ष 1991-92 की और आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) के दौरान श्रमशक्ति, उत्पादन तथा उत्पादकता के प्रक्षेपण के अनुसार कुल उत्पादन लागत में मजदूरी की प्रतिशतता 35.46% तक कम हो जाने की संभावना है। इस अवधि के दौरान यंत्रीकरण के लिए निवेश की राशि 5640 करोड़ रु० प्रक्षिप्त की गई है।

Prices of Edible Oils at retail level

*185. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) the prices of edible oils at retail level during the last six months, monthwise;

(b) what is the manner in which these compare with the prices that prevailed during the same period of 1992;

(c) what are the reasons for increase in price of edible oils especially groundnut oil; and

(d) what steps are being taken to provide groundnut oil at reasonable prices?

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI A.K. ANTONY): (a) and (b) A comparative statement showing the monthwise retail prices of major edible oils during January to June, 1993 and corresponding prices in 1992 is given at the Annexure. [*See* Appendix CLXVIII, Annexure No. 28]

(c) During the period June, 1992 to June, 1993 the retail prices of groundnut oil declined by (−)8.3% at Bombay, (−)4.8% at Delhi and (−)10.1% at Coimbatore, mustard oil prices declined by (−)5.6% at Bombay, (−)3.3% at Calcutta and Gingley oil by (−)21.7% at Bombay. Thus, there has not been an increase in the prices of edible oils including groundnut oil during last one year. However, some variations in the prices of edible oils including groundnut oil at local levels could be due to gap between the demand and supply of total edible oil of 7 lakh tonnes in the country, commencement of the lean supply season of edible oilseeds, increased demand due to approaching festival season and increase in the minimum support price of major edible oilseeds.

(d) The estimated production of groundnut seed and groundnut oil during 1992-93 are expected to be higher than those of last year. Hence, the supply of groundnut oil is expected to be satisfactory in the market. However, Government has been keeping a close watch on the availability and prices of edible oils including groundnut oil.

कोयला परियोजनाओं के लिए अर्जित भूमि के संबंध में प्रदर्शन

*186. **चौधरी हरमोहन सिंह**: क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला परियोजनाओं हेतु अर्जित की गई भूमि से व्यक्तियों को हटा दिए जाने के कारण तोड-फोड़ और प्रदर्शन की घटनायें हुई है ;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान हुई इन घटनाओं का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने विस्थापित व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु कोई नया एकमुश्त प्रस्ताव तैयार किया है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां। इस संबंध में प्रदर्शन की कुछ घटनाएं हुई हैं।

(ख) ऐसी दुर्घटनाओं का कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता है। ऐसी घटनाएं जब कभी भी होती हैं, इन्हें विचार-विमर्श/सहमति द्वारा जिला प्रशासन और संबद्ध लोगों को अन्तर्ग्रस्त करके निपटाया जाता है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता है।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा मशीनों की खरीद

*187. **श्री लक्खो राम अग्रवाल** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, धनबाद ने 1980-81 से 1991-92 के वर्षों के दौरान 1446.76 करोड़ रुपये की मशीनें खरीदी है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इनमें से 161.49 करोड़ रुपये की मशीनों को अभी तक प्रतिष्ठापित भी नहीं किया गया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि 1991-92 में खरीदी गई 140.96 करोड़ रुपये की मशीनों में से 67.89 करोड़ रुपये की मशीनें भारत कोकिंग कोल लि० के गोदामों में अभी भी अप्रयुक्त पड़ी है; और

(घ) क्या पैसे की इस बर्बादी की कोई जांच की गई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) भारत कोकिंग कोल लि० ने वर्ष 1981 से 1992 की अवधि के दौरान 1072.42 करोड़ रु० की मशीनों की खरीद की है।

(ख) यह बात सत्य नहीं है। सभी बड़े उत्पादन उपकरणों को स्थापित कर दिया गया है।

(ग) जी, नहीं। 31-3-1992 की स्थिति के अनुसार स्टाक के रूप में केवल 13.68 करोड़ रु० की मशीनरी स्टाक की गई थी।

(घ) चूंकि कुछ मशीनों को आवश्यकता पड़ने पर प्रचालन यूनिटों के लिए स्टाक में रखना पड़ा, अत: जांच किए जाने पर प्रश्न ही नहीं उठता है।

Annual Survey on Consumer Expenditure

*188. SHRI SURINDER KUMAR SINGLA:

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether the 48th Round of National Sample Survey, (January-December, 1992), Annual Survey on consumer expenditure has been completed;

(b) if so, what are the results thereof;

(c) if not, by when are the results likely to be expected; and

(d) by when the results of 1991 survey are likely to be published?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI GIRIDHAR GOMANGO): (a) Field work for the survey has been completed.